POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A-I (Hons.), Paper-I

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor,
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur,
Samastipur

शक्ति के प्रकार

शक्ति के विभिन्न प्रकार माने जाते हैं। विद्वानों द्वारा इसके प्रकार के सम्बंध में अलग-अलग विचार व्यक्त किए गए हैं। गोल्डहैमर एवं एडवर्ड शिल्स के अनुसार "एक व्यक्ति की शक्ति उतनी कही जा सकती है जितनी मात्रा में वह अपनी इच्छा के अनुसार दूसरे के व्यवहार को परिवर्तित कर सके।" व्यवहार में परिवर्तन की इस धारणा के अनुसार शक्ति तीन प्रकार की होती है - बल, प्रभुत्व और चातुर्य।

मैक्स वेबर औचित्यपूर्ण शक्ति का अध्ययन करते हैं उसे वह सत्ता कहते हैं। वेबर ने औचित्यपूर्ण शक्ति के तीन प्रमुख रूप बताए हैं - ① कानूनी या वैधानिक, ② परम्परागत ③ करिश्मावादी। जब अधिनस्थ लोग कानून की वैधानिकता में विश्वास करते हैं तो यह औचित्यपूर्ण शक्ति वैधानिक कहलाती है। जब आदेशों को परंपरा के आधार पर पवित्र माना जाता है तो इस शक्ति का परम्परागत रूप कहा जाता है। जब शक्तिवान के व्यक्तिगत गुणों के प्रति भक्ति होती है तो वह करिश्मावादी औचित्यपूर्ण शक्ति कहलाती है।

Scanned with CamScanner